वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 83 | बुधवार 17 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पुलिस मुख्यालय में डीजीपी से मिला प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों का दल

पुलिसिंग और करिअर में ऊंचाईयों को छूने के लिए सदैव सकारात्मकता पर फोकस करें: पुलिस महानिदेशक

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू से मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वर्ष 2023 के बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के दल ने मुलाकात की। सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में प्रशिक्षणरत 24 आईपीएस अधिकारियों कर यह दल इन दिनों राजस्थान के पांच दिवसीय स्टडी कम कल्चरल टूयर पर हैं। डीजीपी साहू ने युवा आईपीएस अधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि पुलिस सेवा में आने के मूल मकसद को साकार करते हुए कॅरिअर में नई ऊंचाईयों को छूने उवं बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सदैव सकारात्मकता को अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाए। साहू ने कहा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के भाव से स्वयं और दूसरों के सकारात्मक पक्षों पर फोकस करते हुए पुलिसिंग में नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं। इस दौरान पुलिस महानिदेशक, एससीआरबी एवं साइबर अपराध हेमंत प्रियदर्शी और पुलिस महानिदेशक, पीएम एंड डब्ल्यू गोविंद गुप्ता सहित पुलिस मुख्यालय के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक और उप पुलिस महानिरीक्षक स्तर के अधिकारियों सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) श्रीमती मालिनी अग्रवाल ने प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के दल को राजस्थान पुलिस की विशेषताओं, कार्यशैली और प्रदेश में रोजमर्रा के कार्यों में चुनौतियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। डीजीपी साहू को संवाद के दौरान प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों

के दल की ओर से स्मृति चिह्न भेंट किया गया। प्रशिक्षु अधिकारियों के दल ने प्रदेश में अपने स्टडी कम कल्चरल टूयर के अनुभव साझा करते हुए राजस्थान में अतिथि देवो भवः की परम्परा के तहत आवभगत और सत्कार की परम्पराओं और सांस्कृतिक विरासत की सराहना की।

गोविंददेवजी के श्री चरणों में देहदान आभार कार्यक्रम का निमंत्रण

17 व 18 अगस्त को होगा कार्यक्रम; अंगदान, देहदान, त्वचादान, नेत्रदान जागृति संगोष्ठी व देहदानी परिवार का होगा सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के आराध्य देव गोविंददेव जी मंदिर में मंगलवार को जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल संस्था के अंगदान, देहदान, त्वचादान, नेत्रदान जागृति संगोष्ठी और देहदानी परिवार सम्मान और आभार कार्यक्रम, जो कि 17 व 18 अगस्त को आयोजित होने जा रहा है, उसका निमंत्रण गोविंददेव जी के श्री चरणों में अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इसमें महंत अंजन कुमार गोस्वामी, शकुन ग्रुप के गोकुल दास महेश्वरी, जेएसजी सेंट्रल संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कमल सचेती, अध्यक्ष शसंजय सिंह व अन्य पदाधिकारी अशोक हरकावत, सुधेंद्र चौरडिया, प्रदीप भंडारी, हीरा सिंह बैंद, नवीन दोशी सुमंत जैन आदि मौजूद थे। संस्थापक अध्यक्ष कमल सचेती ने बताया कि संस्था विगत 31 वर्षों से देहदान, नेत्रदान, त्वचा दान व रक्तदान के क्षेत्र में में कार्यरत है। संस्था द्वारा अब तक 250 देहदान, 22 त्वचादान, 3300 नेत्रदान और 15000 यूनिट से अधिक रक्तदान करा चुकी हैं।

ऑल इंडिया आइडल टीचर्स एसोसिएशन ने किया शिक्षा पर मंथन

जयपुर. कासं। ऑल इंडिया आइडियल टीचर्स एसोसिएशन की ओर से शिक्षा को लेकर अधिवेशन जयपुर में आयोजित हुआ। जिसमें शिक्षा व शिक्षकों से सम्बन्धित कई मुद्दों पर गहन विचार किया गया। इसी संदर्भ में ऑल इंडिया आइडियल टीचर्स एसोसिएशन राजस्थान द्वारा शिक्षा सम्बन्धित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए संगठन के ऑल इंडिया अध्यक्ष अब्दुल रहीम शेख व ऑल इंडिया सचिव मीर मुमताज शिक्षा व शिक्षकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान खालिद अख्तर द्वारा लिखित बैटल ऑन व्हील्स पुस्तक का भी विमोचन हुआ। अब्दुल रहीम शेख ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा व शिक्षण संस्थानों में शिक्षा व नैतिकता का स्तर गिरा है जिससे छात्रों में नैतिक पतन स्पष्ट रूप से देखने को मिला है। स्कूल-कॉलेज में गुंडागर्दी, छेड़छाड़, लड़ाई झगड़े, मारपीट, छात्राओं के साथ अश्लीलता आदि कृत्य आम होते जा रहे है। ऐसा प्रतीत होता है कि स्कूल-कॉलेज कैंपस में अपराध की प्रवर्ती बढ़ती जा रही हैं। स्कूल-कॉलेज में नशीले पदार्थ उपलब्ध कराने वाले माफिया सक्रिय होते जा रहे हैं जिसके कारण छात्र-छात्राओं में नशे की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। वर्तमान पाठ्यक्रम एक अच्छा नागरिक बनाने का साधन नहीं बल्कि केवल बाजारवाद का पोषक होकर रह गया है।

महावरी इंटरनेशनल एसोसिएशन ने मनाया 50वां स्थापना दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन का 50वां स्थापना समारोह महावीर स्कूल आडोटोरियम में मनाया गया। अध्यक्ष सुभाष गोलछा ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि महावीर विकलांग समिति के अध्यक्ष डी आर मेहता, समाज सेवी व ज्वैलर सुरेश जैन कासलीवाल रहे। कार्यक्रम में कई विभूतियों का सम्मान किया गया। इनमें प्रसन्न कुमार गोलछा, महावीर केंसर के एन आर कोठारी व श्रीमती अनीला कोठारी , रिटायर्ड जस्टिस नरेंद्र कुमार जैन , जस्टिस नगेंद्र कुमार जैन , महावीर शिक्षा समिति के पूर्व अध्यक्ष एन के सेठी, प्रसिद्ध समाजसेवी सोहनलाल सेठी, केसरी सिंह दूगर, अशोक रांका, पूर्व सचिव प्रकाश चंद लुहाड़िया, अनिल जैन (आईपीएस रिटायर्ड) नारायण हॉस्पिटल के बलविंदर सिंह, मरणोपरांत स्वर्गीय श्री एच एम सिंघवी साहिब व स्वर्गीय श्री उमराव माल चोरड़िया साहब के परिवार जनों को माला, दुपट्टा पहनाकर एवम स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष वीर नरेंद्र सेठी और कोषाध्यक्ष वीर अशोक रांका ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था के विगत 50 सालों में किए गए सेवा कार्यों के बारे में बताया गया। सचिव अनिल बैध ने बताया कि संस्था द्वारा जनता कॉलोनी में कई सालों से अस्पताल का संचालन किया जा रहा है। इसमें जन सेवा की भावना के तहत मरीजों से नाम मात्र का चार्ज लिया जा रहा है। प्रचार सचिव वीर बसंत जैन व राज कुमार बिलाला ने बताया की ये सेवा कार्य कर्म वर्ष पर्यन्त चलते रहेंगे ' कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध एंकर प्रीति सक्सेना ने किया इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के सभी सदस्य परिवार सहित उपस्थित थे

चिकित्सा उपकरण बैंक के साथ अब शुरू होगा प्राथमिक स्वास्थ्य जांच केन्द्र

गुरू वेणी यश सिद्ध विमल चिकित्सा उपकरण बैंक की प्रथम वर्षगांठ पर होगा निर्माण कार्य का आगाज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। असहाय पीड़ित मानवता की सेवा में सहयोग के लक्ष्य से श्री वेणी सिद्ध सेवा संस्थान द्वारा पिछले वर्ष जिस गुरू वेणी यश सिद्ध विमल चिकित्सा उपकरण बैंक की शुरूआत की गई थी उसकी प्रथम वर्षगांठ पर सेवा की उसी भावना के साथ संस्थान अब प्राथमिक स्वास्थ्य जांच केन्द्र का निर्माण कार्य भी शुरू करने जा रहा है। इस चिकित्सा उपकरण बैंक के माध्यम से आम जरूरतमंद को वॉकर से लेकर व्हील चेयर एवं बीपी मशीन से लेकर वुडन स्टिक जैसे चिकित्सा उपकरण अमानत राशि के आधार पर सहजता से उपलब्ध हो रहे है। उन्हें इनके लिए इधर-उधर भटकने या महंगे दामों पर बाजार से खरीदने की जरूरत नहीं पड़ रही है। संस्थान की 16 जुलाई को पूज्य सिद्धकंवरजी म.सा., विनयप्रभाजी म.सा. एवं दिव्यप्रभाजी म.सा. के पुण्य स्मृति दिवस पर संस्थान परिसर में समाधि स्थल पर नवकार महामंत्र जाप के बाद हुई बैठक में गुरू वेणी यश सिद्ध प्राथमिक स्वास्थ्य जांच केन्द्र (मिनी चिकित्सलय) निर्मित करने का प्रस्ताव लिया गया। बैठक में पूज्य गुरू भगवंतों के आशीर्वाद व सुश्रावक भूपेन्द्र पगारिया, कैलाशचन्द्र बड़ोला, सोहनलाल बम्ब, भंवरलाल चौरड़िया आदि की प्रेरणा व सहयोग से गुरू वेणी यश सिद्ध विमल चिकित्सा उपकरण बैंक को सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण होने पर प्राथमिक स्वास्थ्य जांच केन्द्र खोलने का निर्णय किया गया। वेणी सिद्ध सेवा संस्थान एवं यश सिद्ध स्वाध्याय भवन के मंत्री मुकेश डांगी ने बताया कि दोनों संगठनों के माध्यम से मानव सेवा, साधर्मी सेवा की सहायता के साथ जीवदया के कई कार्य किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि बैठक में मौजूद सदस्यों व भामाशाहों ने इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। इस स्वास्थ्य केन्द्र पर आकिस्मक उपचार के साथ बीपी, शुगर आदि जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध होगी। नवकार महामंत्र जाप में जैन संस्कार मंच एवं जैन युवा मंच के सदस्यों के साथ आसीन्द निवासी शांतिलाल बणवट, सुशील चपलोत, गौतम लुक्कड़, प्रमोद सिंघवी, सुरेन्द्र रूंगलेचा, मानसिंह बम्ब, हिम्मत सिंह, राजेश नाहर, मनोहरसिंह नानेचा, दलपत नानेचा, प्रवीण जैन, राकेश बम्ब, रतनलाल खारीवाल, अरूण डांगी, मानमल डांगी, सुजानसिंह खारीवाल, ऋषभ खारीवाल, महिला मण्डल से प्रभादेवी पगारिया, रेखा नानेचा, सुनीता डांगी, सुनीता बम्ब, लाड़देवी बम्ब सहित कई श्रावक-श्राविकाएं मौजूद थे।

जैन समाज के बुजुर्गों ने किया नन्दीश्वर विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन मंदिरजी चन्द्र प्रभ जी में श्रावक श्राविकाओं 75 से 85 वर्ष ने इस अठाई में नन्दीश्वर विधान का आयोजन किया। इस विधान में कुल 52 पूजायें की जाती है। विधान की प्रेरक डां शान्ति जैन 'मणि' है व पूजा के श्लोकों का उच्चारण श्रीमति पुष्पा मालपुरा व तारा देवी बाकलीवाल कर रही हैं तथा पूजा के बारे में परमानन्द बाकलीवाल बताते हैं। इस विधान की बारिकियों के बारे में डां.एम.एल जैन 'मणि' ने बताया कि इस विधान को विशुद्ध भावों से किया जाता है। जो मनुष्य इस विधान को करते हैं वे देवता बन साक्षात देवालय में जाकर पूजा करते हैं। जो भी इस विधान को करता है या सुनता है उसे देवगति का बन्ध होता है। नन्दीश्वर द्वीप ये 52 अकृत्रिम चैत्यालय होते हैं,एक दिशा में 13चैत्यालय होते हैं तथा चारों दिशाओं के 52,ओर इनके गर्भगृह में 108 जिनप्रतिमायें होती है,जो रत्नजडित होती हैं। इस प्रकार इनमें कुल 5616 पदमासन प्रतिमायें होती है। इन मंदिरों में केवल देव ही जा सकते हैं,मनुष्य नहीं। मनुष्य केवल मानसोत्तर पर्वत तक ही जा सकते हैं,उसके पार तो रिद्धिधारी मुनी महाराज भी नहीं जा सकते हैं। पीसनहारी मढिया,जबलपुर व श्री सम्मेदशिखरजी में तो काफी प्राचीन नन्दीश्वर द्वीप रचनायें विद्यमान है,जहां हजारों पुण्पशाली भव्यजीव दर्शनों व पूजापाठ के लिए जाते हैं।नन्दीश्वर द्वीप में 4 अंजनगिरी 16दधिमुख व 32 रतिकर जिन मंदिर होते हैं।इन मंदिरों में देव पूजा करते हैं,कुछ देव ढोल बजाते हैं। देवियां नाचती-गाती रहती है। इसमें पूजन सामग्री देवगण कल्पवृक्षों से सूक्ष्म जीव रहित प्राप्त करते हैं। नन्दीश्वर द्वीप एक शाश्वत पर्व है। मध्यलोक अनेक द्वीपों व महाद्वीप से मिलकर बना है,जिसमें नन्दीश्वरोद महासागर है,जम्बूदीप से 8 वें नं का है। इसे नन्दीश्वर समुद्र ने घेर रखा है। इन मंदिरों में नवदेवताओं में से केवल जिन चैत्य व चैत्यालय ही होते हैं। यंहा रात नहीं होती है।यंहा 1000 योजन वाले कमल होते हैं। नन्दीश्वर द्वीप का विस्तार एक सो तरेसठ चोरासी लाख योजन है। डॉ. मणि ने सभी श्रावक - श्राविकाओं का आभार व्यक्त किया।

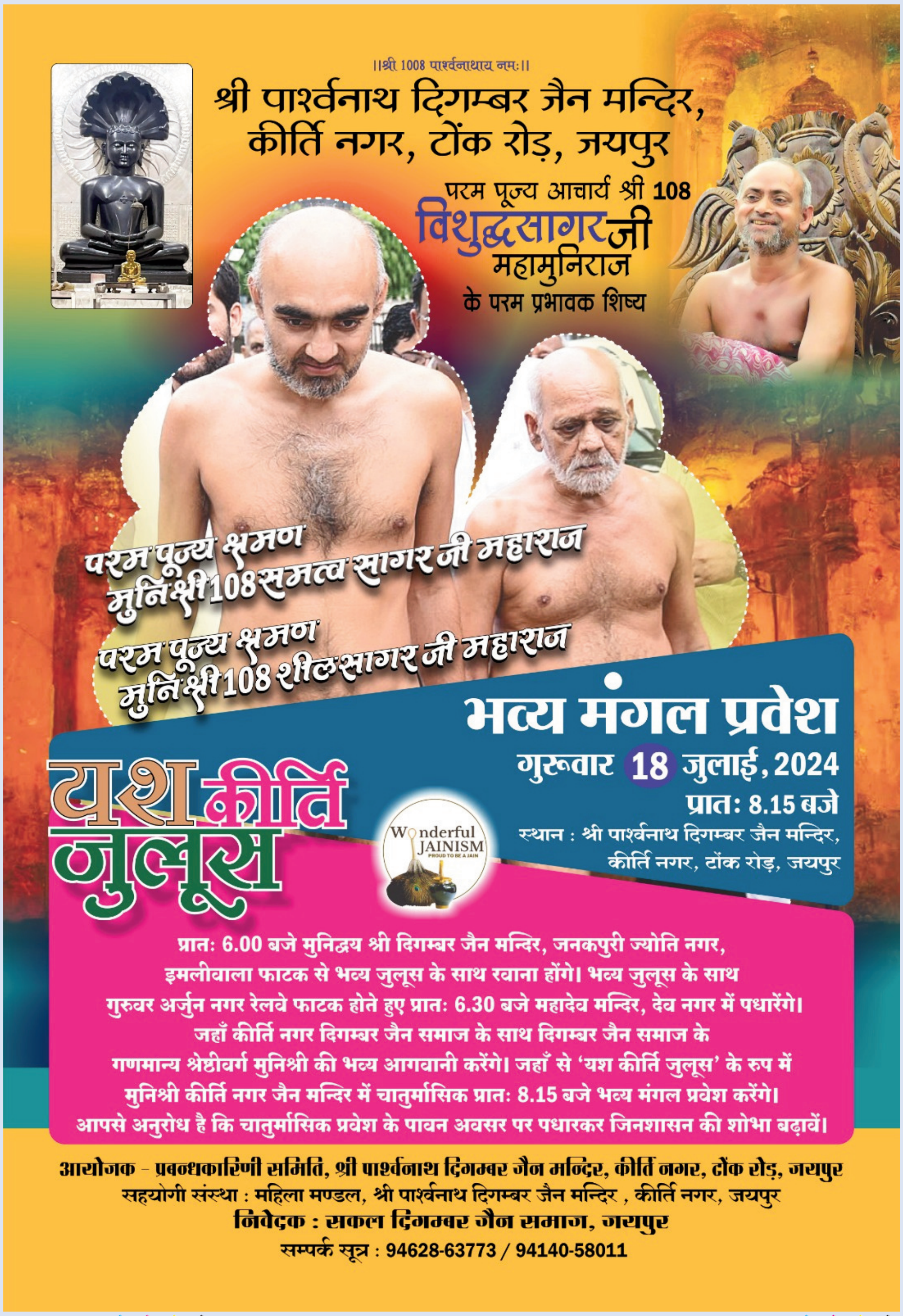

वेद ज्ञान

चुनौतियों से जूझना ही जीवन

दीर्घावधि तक टिकी या बेकाबू प्रतीत होती कठिनाई, दुविधा या रुकावट चुनौती का रूप ले लेती हैं। सामान्य सोच विचार के अनुसार फूल हैं तो कांटे भी होंगे। प्रतिकूल परिस्थितियां जीवन का अभिन्न अंग हैं, इनका आना-जाना लगा रहेगा और इन्हें स्वीकार करना होगा। अंधकार न हो तो प्रकाश की कद्र कैसे होगी? चुनौतियों से निरंतर जूझते रहने का नाम ही जीवन है। जिन्हें सदा संरक्षण मिलता रहा वे स्वतंत्र रूप से बेहतरीन कार्य निष्पादन में अक्षम रहे। ज्ञान-विज्ञान, तकनीक, कला, साहित्य, अध्यात्म, समाजकार्य आदि के क्षेत्रों में जिन्होंने बुलंदियां हासिल कीं, उन्होंने कुदाली पकड़कर अपने रास्ते स्वयं तैयार किए। लक्ष्य प्राप्ति की उधेड़बुन में एक-दर-एक चुनौती से निबटने की प्रक्रिया में उन्हें निजी स्वार्थ साधने की सुध न रही। सुविदित भौतिक शास्त्री न्यूटन ने गति की बेहतर समझ में आड़े आती चुनौतियों को सुलझाते हुए गणित की एक प्रशाखा कैल्कुलस ईजाद कर डाली। किसी निर्धारित या नपे-तुले कार्य को पूरा कर डालना यांत्रिक गतिविधि है, जिसे रोबोट या मशीन कम समय में अधिक दक्षता से बखूबी निपटा लेती है। इसकी तुलना में चुनौतियों से जूझने के लिए बुद्धि, अंतर्दृष्टि, दूरदृष्टि और विशेष सूझबूझ चाहिए। कर्मवीर चुनौतियों से कतराता या बचने का प्रयास नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह जानता है कि इन्हीं सीढ़ियों के माध्यम से मंजिल तक पहुंचा जाएगा। मार्टिन लूथर किंग के अनुसार किसी की शख्सियत की पहचान सुविधा संपन्न परिस्थितियों के दौरान नहीं, बल्कि तब होती है, जब वह चुनौतियों से घिरा होता है। एक कवि ने यहां तक लिखा है, जिस व्यक्ति को प्रकृति असाधारण मुकामों के लिए तराशती है, उसे थपेड़ती, पटकती और तूफानों और कठिनतम परीक्षणों से गुजारती है तब जाकर वह निखर कर नायाब हीरा बनता है। दरअसल चुनौतियों का सामना किए बगैर प्रगति संभव नहीं। चुनौतियों से भागने या आंख मूंदने का अर्थ है समाधान से और अधिक दूर चले जाना। नई चुनौती व्यक्ति को तोड़ दे या झकझोर कर उसमें अभीष्ट तक पहुंचने की ललक जगा दे, यह उसकी सोच और नजरिए पर निर्भर है।

संपादकीय

सुरक्षा और खुफिया एजंसियों पर उठ रहे बड़े सवाल

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले के बाद स्वाभाविक ही वहां की सुरक्षा और खुफिया एजंसियों पर सवाल उठने लगे हैं। ट्रंप इस बार के राष्ट्रपति चुनाव में फिर से उम्मीदवार हैं। वे पेन्सिल्वेनिया के बटलर में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे कि एक युवक ने पास की एक छत से उन पर गोली दाग दी। गनीमत है कि निशाना चूक गया और गोली ट्रंप के दाहिने कान को चीरती हुई निकल गई। सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को वहीं ढेर कर दिया। राष्ट्रपति जो बाइडन ने घटना की सख्त निंदा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। मगर इस घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजियां शुरू हो गई हैं।

रिपब्लिकन पार्टी के कुछ नेताओं ने आरोप लगाया कि जो बाइडेन के भाषणों से ट्रंप पर हमला करने की शह मिली। यह हत्या का प्रयास था। हालांकि अमेरिका में यह पहली घटना नहीं है, जब किसी नेता पर जानलेवा हमला हुआ। मगर दुनिया भर में सबसे सतर्क और चाक-चौबंद मानी जाने वाली अमेरिकी सुरक्षा प्रणाली पर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं कि ट्रंप पर हमला करने वाले के बारे में घटना से कुछ समय पहले सूचना दे दी गई थी। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया है कि हमलावर को पास के घर की छत पर स्पष्ट रूप से देखा गया था और उसने सुरक्षाकर्मियों को इसकी सूचना भी दी थी। चूंकि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की सरगर्मी है और ट्रंप की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है, इस घटना को राजनीति के केंद्र में ला दिया गया है। कई विश्लेषक मानते हैं कि इस घटना से ट्रंप को सहानुभूति मिलेगी और उनकी दावेदारी और मजबूत होगी। हालांकि अमेरिका में मतदाताओं को इस तरह प्रभावित करना थोड़ा कठिन माना जाता है। अमेरिकी खुफिया एजंसी एफबीआइ अभी पता नहीं लगा सकी है कि हमलावर का उद्देश्य क्या था। उसका कहना है कि हमलावर ने अकेले हमले की योजना बनाई थी, उसका किसी अन्य समूह से कोई संबंध नहीं था, इसलिए उसके मकसद के बारे में जान पाना कठिन है। मगर अमेरिका में पिछले कुछ समय से जिस तरह का वातावरण बना है, उसमें युवाओं के भीतर पनपे हिंसक व्यवहार का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। पिछले चुनाव में जब ट्रंप चुनाव हारे थे, तब उनके समर्थक अमेरिकी संसद में घुस गए और वहां भारी तोड़-फोड़ की थी। वहां नस्लीय हिंसा और दूसरे देशों के नागरिकों के प्रति युवाओं में नफरत का जैसा मानस बना है, उससे वहां के वातावरण का अंदाजा लगाया जा सकता है। छिपी बात नहीं है कि अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी के कारण बहुत सारे युवाओं में नाराजगी है। इस कुंठा में कई युवा हिंसक बर्ताव करते देखे जाते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सीमित संभावनाएं

संयुक्त राष्ट्र ने गत सप्ताह विश्व जनसंख्या संभावना रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में व्यापक तौर पर वैश्विक जनांकिकी के भविष्य की राह समेत कई अनुमान जताए गए हैं तथा चुनिंदा देशों और क्षेत्रों को लेकर भविष्यवाणी की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया की आबादी में इजाफा जारी रहेगा और 2080 के दशक के आरंभ तक दुनिया की आबादी 10 अरब का आंकड़ा पार कर जाएगी। उसके बाद आबादी में गिरावट का सिलसिला आरंभ होगा। यह समग्र रुझान क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय अंतर को छिपा लेता है। इस अवधि में बाद के वर्षों में आबादी में होने वाली वृद्धि का अधिकांश भाग अफ्रीका महाद्वीप से आएगा, खासतौर पर सब-सहारा अफ्रीका से। इनमें से कई देश मसलन सोमालिया और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कॉन्गो (डीआरसी) फिलहाल आर्थिक रूप से पिछड़े और राजनीतिक रूप से अस्थिर हैं। उनमें से कुछ देश मसलन डीआरसी आदि में भरपूर प्राकृतिक संसाधन भी हैं जिनका मूल्य आने वाले दशकों में बढ़ेगा। इन देशों में युवा आबादी भी होगी और संसाधनों को लेकर प्रतिस्पर्धा भी होगी। जाहिर है भविष्य में ये वैश्विक और भूराजनीतिक दृष्टि से अहम होंगे। वैश्विक जनसंख्या संभावना रिपोर्ट से यह संकेत भी मिलता है कि निकट भविष्य में भारत की आबादी चीन से अधिक रहने वाली है। बहरहाल इसका अनुमान है कि पाकिस्तान की आबादी का बढ़ना भी जारी रहेगा और 39 करोड़ की आबादी के साथ वह अमेरिका से आगे निकल जाएगा। यह बात भारत और विश्व के लिए महत्त्वपूर्ण है। यह देखना शेष है कि भारत की पाकिस्तान को अलग-थलग रखने और अनदेखा करने की नीति क्या तब भी टिकाऊ होगी जब वह दुनिया का तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला मुल्क बन जाएगा? रिपोर्ट के अनुसार भारत की आबादी में 2062 के बाद कमी आनी शुरू हो जाएगी यानी वैश्विक जनसंख्या के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचने के करीब दो दशक पहले उसकी आबादी घटने लगेगी। इससे भी अहम बात शायद यह है कि देश की समस्त आबादी में गिरावट शुरू होने के करीब एक दशक पहले ही उसकी श्रम योग्य आयु की आबादी के बढ़ने की गति आम आबादी की तुलना में कहीं अधिक तेजी से धीमी होगी। निर्भरता अनुपात की बात करें तो 15 वर्ष से कम और 65 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या में इजाफा होगा। बढ़ती और उच्च निर्भरता अनुपात वाले देश आमतौर पर उस सीमा से गुजर चुके हैं जहां वे प्रति व्यक्ति आय में इजाफा कर सकते थे। भारत के लिए इसके आर्थिक और नीतिगत निहितार्थ स्पष्ट हैं। उसके पास समृद्ध होने के लिए तीन दशक हैं। अगर हम इस अवधि का समझदारी से इस्तेमाल नहीं कर पाए तो मध्य आय स्तर में उलझ सकते हैं। ऐसे में वह जनसंख्या उत्पादकता में असाधारण वृद्धि करने में भी नाकाम रहेगा। जो लोग 2054 में श्रम शक्ति में सबसे बुजुर्ग होंगे वे इस समय रोजगार की तलाश में हैं। अल्पशिक्षित युवाओं के सरकारी नौकरी की तलाश में कतार में लगे होना नीति निमार्ताओं के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। अगली सदी में तथा उसके बाद देश का भविष्य इन्हीं लोगों पर निर्भर करेगा। क्या उनके पास वह कौशल है कि वे देश को उच्च आय के स्तर पर ले जा सकें? इस प्रश्न का उत्तर सकारात्मक नहीं लगता। ऐसे में कौशल उन्नयन सरकार की पहली प्राथमिकता होना चाहिए।

क्या यही है हरियाणा साहित्य अकादमी की साहित्य सेवा

पंजाबी के एक साथ पांच सालों के पुरस्कार घोषित, हिंदी के अभी भी नहीं।

चयनित में कुछ एक तो अब दुनिया में नहीं, पांच सालों तक इंतजार क्या दिखाता है ?

ऋषि प्रकाश कौशिक, संपादक भारत सारथी, गुरुग्राम।

हाल ही में हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा पंजाबी भाषा के गत पांच वर्षों के पुरस्कारों की घोषणा एक साथ की गई है। इस घोषणा से आप सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं कि हरियाणा साहित्य अकादमी कितना कब और कैसे, किस स्तर पर साहित्यकारों के लिए कार्य कर रही है। पांच सालों के पुरस्कारों की एक साथ घोषणा यह दशार्ता है कि इस दौरान पुरस्कार पाने वाले अधिकांश साहित्यकारों का पुरस्कारों के प्रति आकर्षण या जज्बा समाप्त हो चुका है। इनमें से हो सकता है कुछ एक साहित्यकार आज ही धरती पर न हो। आखिर जो गतिविधियां वार्षिक तौर पर संपन्न होनी चाहिए वह 5 सालों की बाट क्यों जो रही है। यह हरियाणा साहित्य अकादमी के वर्तमान अध्यक्ष माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और उपाध्यक्ष महोदय डॉ कुलदीप अग्निहोत्री के साथ-साथ अब हरियाणा साहित्य और संस्कृति के अलग-अलग भाषाओं के लिए बनाए गए निदेशक महोदयों को सोचने की सख्त जरूरत है। पंजाबी भाषा के गत 5 वर्षों के परिणाम तो खैर इतनी देर से सामने आ गए हैं लेकिन हमारी मातृभाषा हिंदी के वार्षिक परिणाम कहूं तो 2022 के पुरस्कारों की घोषणा आज 2024 तक नहीं हुई है। हमारी मातृभाषा के प्रति ऐसा सम्मान आखिर क्या दशार्ता है। पिछले दशकों में हुए साहित्य, संस्कृति और भाषा के पतन का असर आगामी पीढ़ियों तक जाएगा। लेकिन किसे फिक्र है। राज्य अकादमी पुरस्कारों की वार्षिक गतिविधियां संदिग्ध है। जो कार्य एक वर्ष में पूर्ण होने चाहिए उनको करने में सालों लग रहें है। पुरस्कारों के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया स्पष्ट और समयानुसार नहीं है। उदाहरण के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी के वार्षिक परिणामों की घोषणा का साल खत्म होने को है, मगर अभी तक नहीं हुई है। न ही आगामी साल का प्रपत्र जारी किया गया है। एक अकादमी के भीतर क्या- क्या खेल चलते है ? पारदर्शिता के अभाव में किसी को पता नहीं चलता। हरियाणा हिंदी साहित्य अकादमी के वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा जिसका राज्य के साहित्यकार बेसब्री से इंतजार करते है, के वर्ष 2022 के परिणाम अभी 2024 में भी जारी नहीं हुए है। इससे आप अंदाजा लगा सकते है कि समाज को आईना दिखाने वाले किस कद्र सोये पड़े है। हरियाणा हिंदी साहित्य अकादमी हर वर्ष 12 से अधिक साहित्यिक पुरस्कार जिसमें एक लाख से सात लाख तक की पुरस्कार राशि दी जाती है और श्रेष्ठ कृति के अंतर्गत पद्रह सौलह विधाओं में 31 -31 हजार रुपये की राशि सम्मान स्वरुप प्रदान करती है। इन पुरस्कारों के अलावा वर्ष भर की श्रेष्ठ पांडुलिपियों को चयनित कर उन्हें प्रकाशन अनुदान प्रदान करती है। लेकिन हरियाणा में सरकारी भर्तियों की तरह ये भी बड़ा दुखद है कि जो परिणाम अगस्त में घोषित होने थे; वो अगले साल कि जनवरी बीत जाने के बाद भी नहीं घोषित किये गए न ही साल 2023 का प्रपत्र समय पर जारी किया गया जिसमें आने वाले साल के लिए साहित्यकारों को आवेदन करना होता है; आखिर क्यों ? उम्मीद है कि राज्य सरकारें अकादमियों के वर्तमान विवादास्पद कार्यों की जांच कराएगी और अकादमी में योग्य और प्रतिभाशाली लेखक, कलाकारों को नियुक्त करेगी। ताकि देश भर पर भाषा, साहित्य और संस्कृति नित नए आयाम गढ़ती रहे।

> यह हरियाणा साहित्य अकादमी के वर्तमान अध्यक्ष माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और उपाध्यक्ष महोदय डॉ कुलदीप अग्निहोत्री के साथ-साथ अब हरियाणा साहित्य और संस्कृति के अलग-अलग भाषाओं के लिए बनाए गए निदेशक महोदयों को सोचने की सख्त जरूरत है।

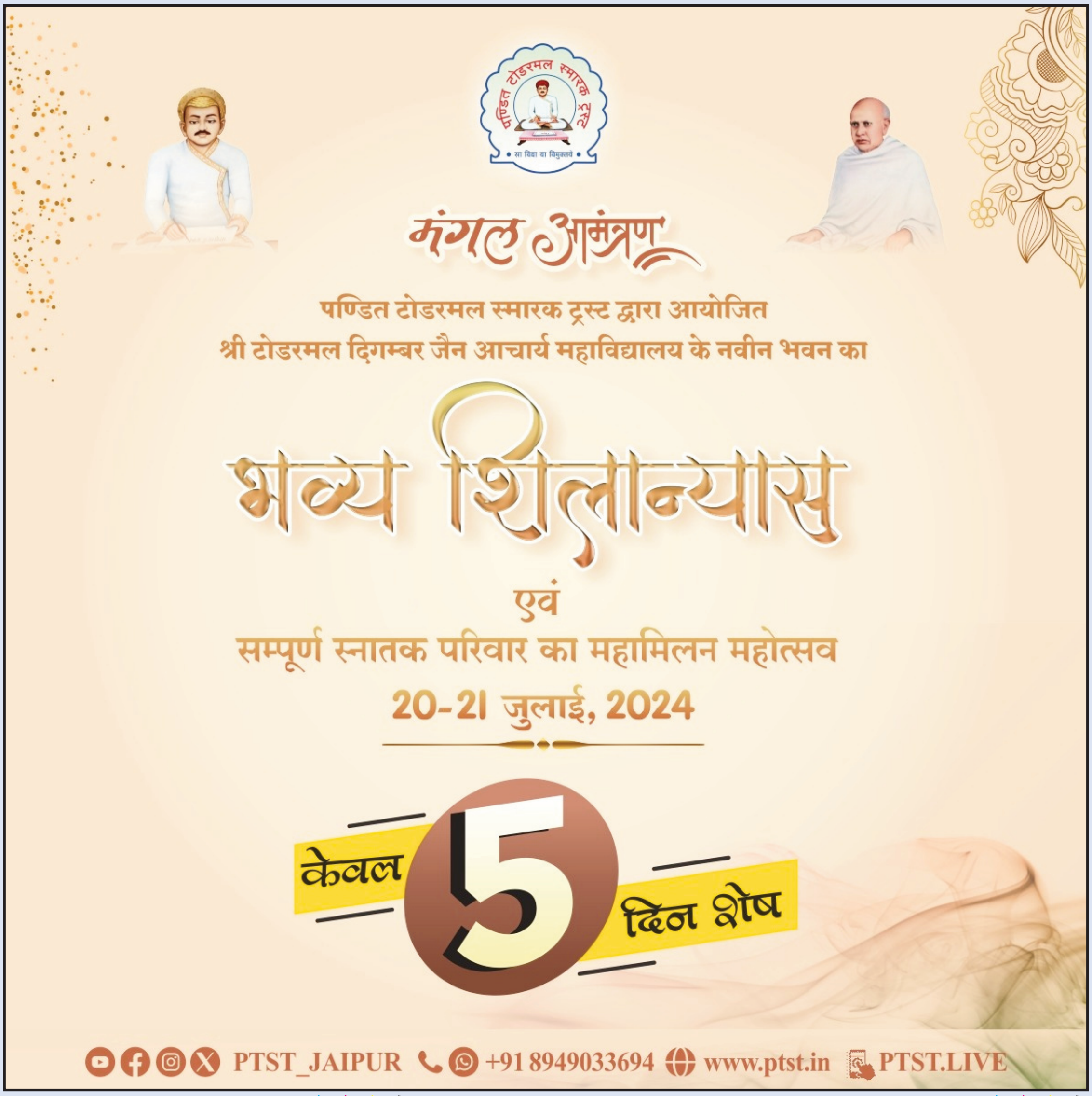

जनप्रतिनिधियों का किया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के जन प्रतिनिधियों के सम्मान हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन छाबरा रेस्टोरेंट में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नवनिर्वाचित, जयपुर सांसद श्रीमति मंजू शर्मा रही। साथ ही मालवीय नगर विधायक और जन जन के चहते कालीचरण सर्राफ ने कार्यक्रम में सभी जन प्रतिनिधियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जयपुर सांसद श्रीमति मंजू शर्मा और माननीय विधायक कालीचरण जी सर्राफ का स्वागत, मालवीय नगर स्थित आईडीबीआई बैंक के शाखा प्रमुख और सहायक महाप्रबंधक विपिन कुमार जैन ने शॉल और माला पहनाकर किया। कार्यक्रम का आयोजन गोविंद छीपा (नगर निगम पार्षद, वार्ड 131) द्वारा किया गया जहा कार्यक्रम में समस्त मालवीय नगर से जन प्रतिनिधि कार्यकर्ताओ ने भाग लिया और क्षेत्र के विकास पर अपनी भागीदारी और जिम्मेदारी की बात को मजबूत किया। श्रवण बागड़ी ने भी सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल का डेंटल चेकअप कैंप आयोजित

स्कूल के बच्चों के दांतों का किया परीक्षण

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब सेन्ट्रल के प्राइम प्रोजेक्ट सुरक्षित भविष्य के अंतर्गत लिटिल बेल्स एकेडमी दुर्गा बस्ती में डेंटल चेकअप कैंप लगाया गया। अध्यक्ष मधु ललित बाहेती और सेक्रेट्री राधा खुवाल ने बताया कि चाइल्ड डेंटिस्ट स्पेशलिस्ट डाक्टर पलक जोशी द्वारा स्कूल के 80 बच्चों के दाँतों का परीक्षण किया गया। शिविर संयोजक ममता विजय ने बताया कि डॉक्टर पलक जोशी के द्वारा कक्षा 1 से लेकर 8 तक के बच्चों का दांतों का परीक्षण किया गया तथा डेमो देकर सिखाया गया कि उन्हें नियमित रूप से सुबह-शाम किस तरह से दांतों को ब्रश करना चाहिए स्कूल के सभी बच्चों को टाइम टेबल चार्ट, स्केल, नेम स्लिप बांटी गई। कैंप में क्षेत्रीय अध्यक्ष दिनेश खुवाल, राजकुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष नीलम तापड़िया, प्रकाश तापड़िया, श्यामलाल गुप्ता, चंदा बरवाडीया, सुप्रिया जोशी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय नंदीश्वर दीप महामंडल विधान का हुआ भव्यता से समापन

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे में मुनिसुव्रत नाथ दिगम्बर जैन नया मन्दिर में जैन धर्म का शाश्वत पर्व अष्टानिका महापर्व के अन्तर्गत चल रहे दो दिवसीय नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान का आज भव्यता के साथ समापन हुआ, कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि आज प्रातः श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना अर्चना के बाद समाज श्रेष्ठी कैलाशचंद, हनुमान प्रसाद, सीताराम, अशोक कुमार ,विनोद कुमार ,भरत कुमार , कलवाडा वाले परिवार जनों की तरफ पंडित सुरेश चंद शास्त्री निवाई के दिशा निर्देशन में विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा साज सज्जा के साथ नंदीश्वर द्वीप महामंडल विधान कार्यक्रम में 101 पूज्यार्थियों ने पूजा अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त किया , कार्यक्रम में पंडित सुरेश शास्त्री जी ने बताया कि विधान मंडल पर आज श्री फलों द्वारा 12 अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की गई, कार्यक्रम में सुरेश कुमार शास्त्री ने नंदीश्वर द्वीप के बारे में कहा कि नंदीश्वर द्वीप जम्बूद्वीप का आठवां दीप कहलाता है, यहां पर चार

अंजनगिरी,सोलह दधि मुख, बत्तीस रतिकर चैत्यालयों की रचना हुई है, यहां पर 108 धनुष उंचाई वाली रत्नों की जिन प्रतिमाऐं विराजमान है, जिनकी देव गण आराधना किया करते हैं।उक्त कार्यक्रम में केलासचंद, हनुमान प्रसाद, सीताराम, अशोक कुमार, विनोद कुमार,भरत कुमार, रमेश चंद, कलवाडा,सोभागमल सिंघल,सुरेश डेठानी, सुशील जैन,प्रकाश,शेलेन्द्र, दीपक कलवाडा,केलास जैन देवली, सतीश टोडा,जुगल जैन कोटा,आकाश जैन देवली, सोनू जैन टोंक, तथा ललिता, मंजु,कमली,राधा, सुरभि, प्रियंका कलवाडा, सुशीला झंडा,मैना झंडा,मैना नला,आशा मोदी, निशा पंसारी ,मुन्ना डेठानी, विश्व लता चोधरी,मंजु गोधा फागी, गीता जैन जूनियां, निर्मला जैन भीलवाड़ा, मंजू बनेठा,सुमन जैन निवाई,रेखा जैन कोटा, रानी जैन देवली, एवं राशि जैन टोंक सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

गांधी कोल्ड स्टोरेज पर मुनि श्री प्रमाण सागर जी की हुई आहार चर्या

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगंबर जैन समाज इंदौर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं राष्ट्रीय नेता हंसमुख गांधी को उनके नेमावर रोड (8 मील) स्थित गांधी कोल्ड स्टोरेज पर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिष्य शंका समाधान प्रवर्तक मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ससंघ को नगर प्रवेश के एक दिन पूर्व आहार चर्या संपन्न करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। स्मरणीय है कि नेमावर रोड 8 मील स्थित गांधी कोल्ड स्टोरेज साधु संतों के लिए एक ऐसा विश्राम स्थल है जहां इस मार्ग पर बिहार करने वाले साधु संतों के लिए गांधी परिवार आहार निहार एवं विश्राम की सुविधा उपलब्ध कराता है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू को गांधी ने बताया कि कोल्ड स्टोरेज की वसुंधरा 145 से अधिक साधु संतों की चरण रज से पवित्र है एवं गांधी परिवार को उनकी आहार चर्या कराने एवं उनका आशीर्वाद पाने का भी सौभाग्य प्राप्त हो चुका है। अभी तक यहां आचार्य विद्यासागजी महाराज संघ के अनेकों मुनियों, आचार्य भरत सागर जी, आचार्य गुप्तिनंदीजी, आर्यिका ज्ञानमती माताजी, आर्यिका आदर्श मती माताजी, मुनि आदित्य सागर जी ,मुनि महासागर जी आदि संतों की आहार चर्या संपन्न हो चुकी है इस अवसर पर होलास आशा सोनी, पार्षद राजीव जैन, विमल अजमेरा, संजय अहिंसा, कैलाश लुहाडिया, पत्रकार हेमंत जैन, राजू अलबेला आदि समाज के गणमान्य उपस्थित थे।

कैंसर जांच आपके द्वारः निशुल्क जांच एवं जागरूकता शिविर रविवार 21 जुलाई 2024 को

जयपुर. शाबाश इंडिया

निशुल्क जांच एवं जागरूकता शिविर रविवार 21 जुलाई 2024 को प्रातः 9:00 से दोपहर 3:00 तक श्री दि. जैन मंदिर यति यशोदानंदजी, 342, चौड़ा रास्ता, जयपुर में आयोजित किया जायेगा। कैंसर जांच आपके द्वार निशुल्क जांच शिविर स्व. विद्या विनोद काला प्रणेता स्वप्नद्दष्टा एवं संस्थापक प्रबंध न्यासी भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर की 26वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया जायेगा। जयपुर जैन सभा समिति, श्री दिगं. जैन मंदिर यति यशोदानंदजी परिवार, जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति, श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला महासभा के सहयोग एवं भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर के सानिध्य में यह शिविर आयोजित किया जायेगा। शिविर में निम्न जांचें डॉक्टर परामर्श पर निशुल्क की जाएंगी।

- मैमोग्राफी (स्तन जांच हेतु)
- पंप स्मीयर टेस्ट (गर्भाशय जांच हेतु)
- एक्स-रे (फेफड़ों की जांच हेतु)
- सीए 125 (ओवरी जांच हेतु)
- पीएसए (प्रोटेस्ट जांच हेतु)
- अन्य रक्त परीक्षण

निम्न में से कोई भी लक्षण हो तो जांच अवश्य करवाएं

- मुंह या गले में नहीं भरने वाला छाला
- कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, आवाज में परिवर्तन
- शरीर के किसी भी भाग में गांठ
- स्तन में गांठ व आकार में परिवर्तन
- लंबे समय से खांसी या कफ में खून
- मलद्वार या मूत्रद्वार से खून आना
- शौच की आदत में परिवर्तन
- वजन का बेवजह कम होना

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
संजय जैन 9928051512

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

कभी कभी वक्त के साथ, सब ठीक नहीं..
बल्कि सब खत्म हो जाता है..

जीवन पल-पल मिट रहा है। आयु का तेल देह के दीये में जलकर धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। अब तुम अपने जीवन के कल्याण और निर्माण के लिए, कोई ठोस साधना करो ताकि मृत्यु को सुखद, सार्थक और खुशनुमा बनाया जा सके। देह में बैठे पंछी ने पंख फैला दिए हैं। प्राणों का पंछी उड़ान भरने की तैयारी कर रहा है। जल्द ही उड़ान भर लेगा और फिर तुम हाथ मलते रह जाओगे। प्राण पखेरू उड़े, उससे पहले अपने चरित्र को ऊंचा उठा लो, ताकि तुम्हारा जीवन धन्य धन्य हो जाए। अब तुम्हारे जीने की शैली कुछइस प्रकार की हो जाए- अपने मन को प्रभु के चरणों में लगा कर जियो और अपनी नजरों को अपने चरणों में जमा कर जियो। हर पल अपने मन पर निगरानी रखो, कि कहीं सदाचरण से स्खलित ना हो जाए। हर दिन को आखिरी दिन मान कर जियो। हर रात को अंतिम रात। हर अगला दिन पुनर्जन्म है। धार्मिक होने के लिए अंतिम दिन की प्रतीक्षा ना करें। आज अभी इसी वक्त शुभ कार्य कर डालें।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

उठावनी

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पुज्य

श्रीमति चमेली देवी टोंग्या

(धर्मपत्नी स्व. श्री कैलाश चन्द जी टोंग्या) का आकस्मिक देवलोक गमन हो गया है।

जिनकी तिये एवं तेहरवीं की उठावनी दिनाँक 17/07/2024 बुधवार को प्रातः 9:30 बजे चम्पाबाग बगीची, नई सड़क, ग्वालियर पर रखी गयी है।

शोकाकुल परिवार:

सुबोध, प्रमोद (पुत्र), आकाश (भतीजा), हिमांशु, चिराग (पौत्र), देवांश, आश्रव, हर्षित (प्रपौत्र) एवं समस्त टोंग्या परिवार।

प्रतिष्ठान:

एस. के. इंटरप्राइजेजः नया बाजार, ग्वालियर
जैन ट्रेडिंग कंपनी, ग्वालियर एवं प्राइम व्यू प्रोपर्टीज, दुबई

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

मुरेना में वर्षायोग हेतु जैन संतों का नगरागमन आज

भव्य अगवानी एवं शोभायात्रा के साथ होगा नगर प्रवेश

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। नगर में वर्षायोग हेतु जैन साधुओं का नगर प्रवेश आज बुधवार को प्रातःकालीन वेला में होने जा रहा है। बड़ा जैन मंदिर कमेटी की प्रबंध समिति के सदस्य आदित्य जैन नायक द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य युगल मुनिराज मुनिश्री शिवानंद जी महाराज एवं मुनिश्री प्रशमानंद जी महाराज वर्षायोग 2024 हेतु आज बुधवार को प्रातः 06.30 बजे नगर प्रवेश करेंगे। नगर की सीमा बड़ोखर पर सभी बंधु एकत्रित होकर युगल मुनिराजों की भव्य अगवानी करेंगे। वर्षायोग समिति के मुख्य संयोजक रमाशंकर नायक ''लाला'' ने जानकारी देते हुए बताया कि पूज्य श्री बरसात के चार माह मुरेना में रुककर आत्म साधना करेगें, साथ ही आम लोगों को आत्म साधना के लिए प्रेरित करेंगे। नगर में युगल मुनिराजों को बैंड बाजों के साथ शोभायात्रा के रूप में अति भव्यता एवं भक्ति के साथ नगर प्रवेश कराया जायेगा । युगल मुनिराजों की नगर प्रवेश की भव्य शोभायात्रा अम्बाह रोड, बड़ोखर से प्रारंभ होकर पुल तिराहा, जैन बगीची, नसियांजी जैन मंदिर, अम्बाह रोड, ओवर ब्रिज, सदर बाजार, हनुमान चौराहा, सराफा बाजार, लोहिया बाजार, चंद्रप्रभु जैन मंदिर होती हुई बड़ा जैन मंदिर मुरैना पहुंचेगी। पूज्य मुनिराजों की अगवानी के समय उनके भक्तगण एक विशेष परिधान में सुसज्जित रहेंगे । पुरुष वर्ग सफेद परिधान में, महिलाएं केसरिया साड़ी में ओर सभी बालक - बालिकाओं के मंडल, महिला मंडल अपने अपने निर्धारित परिधान में रहेंगे । शोभायात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर पाद प्रक्षालन एवं आरती उतारकर युगल संतों की अगवानी की जायेगी। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा जैन मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा सिर पर कलश रखकर पूज्य श्री का स्वागत बंदन करेंगी। पूज्य युगल मुनिराजों का वर्षायोग 2024 मुरेना नगर में होगा । जिसकी समस्त धार्मिक क्रियाएं एवं मंगल कलश स्थापना 28 जुलाई को एक भव्य समारोह में की जाएगी ।

श्री दिलिप-श्रीमती रानी जी गोधा

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

17 जुलाई ' 24

Happy Anniversary

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

JSG Jain Social Groups International Federation

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

श्री नितिन-श्रीमती सरिता जैन

सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर

17 जुलाई ' 24

Happy Anniversary

93143 15551

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष : सुनील सोगानी, आई पी पी : राहुल जैन

संस्थापक अध्यक्ष : मनीष झांझरी

पूर्व अध्यक्ष : अभय गंगवाल, पूर्व अध्यक्ष : संजय जैन

उपाध्यक्ष : अजय बड़जात्या, सचिव : विशुतोष चाँदवाड

सह सचिव : महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष : सुकेश काला

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ, जयपुर

शालीमार एनक्लेव जैन मंदिर में चल रहा है श्री सिद्धचक्र विधान

आगरा. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ आचार्य ज्ञान सागर जी महाराज एवं मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं सकल दिगंबर जैन समाज शालीमार एनक्लेव आगरा के तत्वावधान में आगरा के शालीमार एनक्लेव स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में 12 जुलाई से दस दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है विधान के पांचवें दिन 16 जुलाई को भक्तों ने बाल ब्रह्मचारी सुनील भैया जी के कुशल निदेशन में स्वर्ण कलशों से श्रीजी का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा कर पूजन कियो इसके बाद इंद्र-इंद्राणियों ने श्रीजी के समक्ष माडलें पर 64 अर्घ्य अर्पित कर श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान की मांगलिक गतिविधियां सम्पन्न कीं विधान में मौजूद भक्तों ने अपने हाथों में चंबर लेकर रामकुमार एण्ड पार्टी के कलाकारों द्वारा मधुर जैन भजनों पर नृत्य कियो इस दौरान भक्तों का उत्साह प्रभु के प्रति देखते ही बन रहा थो विधान पुण्यार्जक जगदीश प्रसाद रमेशचंद जैन,सुभाष जैन,दिनेश जैन, पीयूष जैन,अंजली जैन,अभिषेक जैन,रिया जैन परिवार द्वारा कराया जा रहा है। सायःकाल भक्तों ने संगीतमय प्रभु की मंगल आरती के बाद भोपाल के सुप्रसिद्ध रामकुमार एण्ड पार्टी के द्वारा एक शाम प्रभु पारसनाथ के नाम भजन संध्या आयोजित की गई। जिसमें भक्तों ने भजनों का जमकर आनंद लिया। और नृत्य कर प्रभु की भक्ति की। इस विधान में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर ट्रस्ट व्यवस्था समित एवं शालीमार जैन मन्दि समिति कर विशेष सहयोग रहा इस अवसर पर अमित जैन,रजनीश जैन,प्रतीक जैन,अशोक जैन राजकुमार गुड्डू जैन,राजू गोधा,संजय गोधा,मुकेश जैन रपरिया, ए.बीजैन ,शैलेन्द्र जैन, अंकेश जैन, समस्त शालीमार एन्क्लेव जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

जैन मिलन सेंट्रल की मीटिंग सम्पन्न

विराग सागर जी को विनयांजलि दी गई, मेधावी विधार्थियों का सम्मान किया जाएगा

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। जैन मिलन सेंट्रल की मीटिंग का आयोजन गत्त दिवस थूबोंन क्षेत्र भवन में किया गया । अध्यक्ष वीरेंद्र जैन एवं मंत्री सुनील बैलई एवं कोषाध्यक्ष संजय कन्हेरा ने बताया कि मीटिंग की शुरूआत दीप प्रज्जवलन महावीर प्रार्थना से हुई उसके बाद आगामी प्रोजेक्ट विद्यार्थियों एवं समाज सेवियों का सम्मान समारोह आयोजित करने एवं पशु चिकित्सा शिविर आयोजन के बारे में चर्चा की जाकर अगस्त माह में यह कार्यक्रम आयोजन का निर्णय लिया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची,राष्ट्रीय सयुंक्त मंत्री महेंद्र जैन कडेसरा एवं आनंद गांधी,राष्ट्रीय संयोजक प्रमोद छाया,सुनील कोठारी ने भी सभा को सम्बोधित किया। समाधिस्त गणाचार्य विराग सागर जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें

जयपुर में 10 स्थानों पर दिगम्बर जैन संतों के होंगे चातुर्मास

रविवार 21 जुलाई को होगी चार स्थानों पर चातुर्मास मंगल कलश स्थापना

गुरुवार 18 जुलाई को कीर्तिनगर में होगा मुनि समत्व सागर महाराज ससंघ का तथा शुक्रवार 19 जुलाई को दुर्गापुरा में होगा मुनि पावन सागर महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान की राजधानी गुलाबी नगरी जयपुर जो कि पूरे विश्व में जैन नगरी के नाम से विख्यात है। शहर में इस वर्ष अब तक 10 स्थानों पर दिगम्बर जैन संतों के संघों के चातुर्मास तय हो गये है। शनिवार, 20 जुलाई से रविवार, 28 जुलाई के दौरान चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह होंगे। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक जैन संत चातुर्मास में जीव हिंसा से बचने के लिए चार माह तक एक स्थान पर रहकर त्याग तपस्या करते हुए अपने स्वयं की आत्मा के कल्याण के साथ जन कल्याण भी करते हैं। चातुर्मास के दौरान चार माह तक लगातार धर्म की गंगा बहती है। जैन मंदिरों एवं चातुर्मास स्थलों पर लगातार धार्मिक एवं सामाजिक सेवा की गतिविधियां होती हैं। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि इस साल 10 स्थानों पर दिगम्बर जैन संतों के चातुर्मास होगें जिनमें से मानसरोवर के वरुण पथ स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ का चातुर्मास होगा। चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश गुरुवार 25 जुलाई को होगा। चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह रविवार 28 जुलाई को होगा। प्रतापनगर के सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में उपाध्याय उर्जयन्त सागर महाराज का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश शुक्रवार 12 जुलाई को हो चुका है । उपाध्याय श्री का 31 वां वषायोग स्थापना समारोह रविवार 21 जुलाई को प्रातः 9.00 बजे प्रतापनगर के सैक्टर 10 स्थित सामुदायिक केन्द्र में होगा। कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि समत्व सागर महाराज एवं मुनि शील सागर महाराज ससंघ का चातुर्मास होगा। चातुर्मास हेतु कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश गुरुवार, 18 जुलाई को प्रातः 8.00 बजे होगा। चातुर्मास कलश स्थापना समारोह रविवार 21 जुलाई को होगा। दुर्गापुरा के श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि पावन सागर महाराज ससंघ का शुक्रवार 19 जुलाई को भव्य मंगल प्रवेश होगा ।चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह गुरुवार, 25 जुलाई को होगा। मुनि श्री ससंघ को बुधवार 17 जुलाई को दुर्गापुरा दिगम्बर जैन समाज की ओर से बस्सी में चातुर्मास करने हेतु श्रीफल भेट कर निवेदन किया जाएगा। मानसरोवर में मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज, क्षुल्लक अनुनय सागर महाराज, क्षुल्लक सविनय सागर महाराज, क्षुल्लक समन्वय सागर महाराज ससंघ का इस वर्ष का चातुर्मास प्रस्तावित है। मुनि संघ का मंगल विहार दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी से जयपुर मीरा मार्ग की ओर चल रहा है। मुनि संघ का सोमवार 22 जुलाई को मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवेश होगा। मुनि संघ का रविवार 28 जुलाई को मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन भवन पर चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह होगा। इससे पूर्व मुनि संघ का उत्तर भारत के प्रसिद्ध अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में शनिवार 13 जुलाई को मंगल प्रवेश हुआ था। थड़ी मार्केट के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मास करने हेतु आचार्य वसुनन्दी जी महाराज के शिष्य उपाध्याय वृषभानन्द महाराज का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश रविवार 14 जुलाई को हो चुका है । चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह रविवार 28 जुलाई को होगा। मुनि महिमा सागर महाराज ससंघ का वर्ष 2024 का चातुर्मास श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में होगा। मुनि संघ का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश मंगलवार 9 जुलाई को अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में हो चुका है । चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह शनिवार 20 जुलाई को होगी। इसी प्रकार से आचार्य नवीन नन्दी जी महाराज का अजमेर रोड पर दहमीकलां के दिगम्बर जैन मंदिर में होगा। चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह रविवार 21 जुलाई को प्रातः 9.00 बजे होगा। गणिनी आर्यिका 105 श्री नंगमति माताजी ससंघ का टौक रोड पर नांगल्या बीलवा के विमल परिसर में 47 वां वषायोग की मंगल कलश स्थापना रविवार 7 जुलाई को हो चुकी है। बरकतनगर के श्री चन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन मंदिर एवं णमोकार भवन में गत 14 वर्षो से किसी ना किसी एक दिगम्बर जैन संत का चातुर्मास होता रहा है। इस वर्ष 15 वें साल भी दिगम्बर जैन संत का चातुर्मास होगा। आचार्य विवेक सागर महाराज के शिष्य मुनि अर्चित सागर महाराज का चातुर्मासिक मंगल प्रवेश शुक्रवार 12 जुलाई को हो चुका है। चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह रविवार 21 जुलाई को होगा। छोटा गिरनार बापू गांव एवं आदिश्वर धाम चाकसू के प्रणेता आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज ससंघ का चातुर्मास झालरापाटन में होगा। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ का चातुर्मास गुंशी निवाई में होगा। मुनि प्रमाण सागरजी महाराज ससंघ का चातुर्मास इंदौर में होगा। आचार्य पुलक सागरजी महाराज का चातुर्मास ऋषभदेव केसरिया जी में होगा ।आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ का चातुर्मास किशनगढ़ अजमेर में होगा। जैन के मुताबिक दिगम्बर जैन संतों के चातुर्मास स्थापना के कार्यक्रम प्रायः आषाढ़ शुक्ला तेरस से श्रावण कृष्ण पंचमी के दौरान होते हैं। यह अवधि इस वर्ष शुक्रवार 19 जुलाई से गुरुवार 25 जुलाई तक रहेगी। आषाढ़ शुक्ला अष्टमी रविवार 14 जुलाई से आषाढ़ शुक्ला पूर्णिमा रविवार 21 जुलाई तक जैन धर्म का शाश्वत पर्व अष्टानिका महापर्व मनाया जाएगा। इसी तरह से रविवार 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया जाएगा तथा इसी दिन ज्यादातर चातुमार्सों की स्थापना हो सकती है। श्रावण कृष्ण एकम सोमवार 22 जुलाई को वीर शासन जयन्ती मनाई जाएगी।

बीस बच्चों को उपहार देकर स्कूल जाकर शिक्षित होने के लिए प्रेरित किया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद/अजमेर ।लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन मधु अतुल पाटनी, घनश्याम सोनी ,रेखा सोनी एवम अन्य भामाशाहों के सहयोग से आओ गांव चले सेवा करे एवम ग्रामीण बच्चो को शिक्षा के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से दिनांक 16 जुलाई को उदयपुर ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी गांव चौकड़िया के 11 जरूरतमंद परिवार के बच्चो को स्कूल बैग,गणवेश और बिस्कुट टॉफी देकर स्कूल जाने के लिए जागरूक किया गया क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बच्चो को शिक्षित होने के लिए अनुरोध किया जा रहा है जिससे वे राष्ट्र निर्माण में सहायक हो सके।

जनकपूरी में पांच दिवसीय महोत्सव

महावीर स्वामी पूजन व वर्धमान स्तोत्र दीप अर्चना का हुआ भक्ति मय आयोजन

आज होगी तीर्थंकर नेमिनाथ की भव्य रथ यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में पाँच दिवसीय महोत्सव के चौथे दिन मंगलवार को मुनि श्री 108 समत्व सागर जी ससंघ के सानिध्य में उत्तर की वेदी में विराजित भगवान महावीर की संगीतमय पूजन तथा वर्धमान स्तोत्र दीप अर्चना का आयोजन हुआ। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि मुनि श्री द्वारा उच्चारित अभिषेक पाठ रिद्धि मंत्र युक्त शान्तिधारा आदि मुनि श्री के निर्देशनइसके बाद दक्षिण की वेदी में विराजित भगवान पार्श्व नाथ के समक्ष श्रृद्धालुओं द्वारा संगीतमय पूजन की गई। इसके बाद धर्म सभा हुई जिसमे चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन का सोभाग्य महावीर स्कूल के अध्यक्ष उमराव मल सांघी मंत्री सुनील बख्शी ,कमल बाबू जैन , मनीष बैद सुरेंद्र पांड्या ,विनोद जैन कोटखावदा , राजेंद्र बिलाला द्वारा किया गया ।इधर मुनि संघ की पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट का सौभाग्य देवेंद्र , मयूख , देवेश कासलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। मंगलाचरण शिखर चन्द जैन ने किया। धर्म सभा में मुनि समत्व सागर जी ने बारह भावना की एकत्व भावना को समझाया तथा युवाओं की विशेष क्लास में संगीत की ध्वनि को व उसके मानसिक व शारीरिक प्रभाव के बारे में धर्म के साथ जोड़ते हुए समझाया। शाम को मन्दिर जी में महावीर वंदन का वर्धमान स्तोत्र मण्डल दीप अर्चना का संगीतमय आयोजन हुआ। बुधवार को भव्य रथयात्रा का आयोजन ज्योति नगर चैत्यालय से शुरू होकर जनकपुरी मन्दिर जी तक पहुँचेगी।

बढ़ते हुए ट्राइग्लिसराइड का घरेलू समाधान

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर I 9828011871

दिल से जुड़ी कई समस्याओं का कारण है हाई कोलेस्ट्रॉल। दरअसल, जब आपकी धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के कण जमा होने लगते हैं या फिर ट्राइग्लिसराइड्स बढ़ने लगते हैं तो धमनियां सकड़ी हो जाती हैं और ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और यही दिल से जुड़ी बीमारियों का कारण बनता है। ऐसे में आप धमनियों से कोलेस्ट्रॉल की सफाई के लिए ये तरीका अपना सकते हैं जो कि बेहद कारगर तरीके से काम करता है। तो इसमें आपको दही खाना है। दही, कोलेस्ट्रॉल के निर्माण को रोकता है और इस उच्च रक्तचाप के जोखिम को कम करने में मदद करता है, जिससे हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है। इसके अलावा भी हाई कोलेस्ट्रॉल में दही खाने के कई फायदे हैं। पर उससे पहले जानते हैं कब और कैसे करें दही का सेवन?

हाई कोलेस्ट्रॉल में दही में मिलाकर खाएं सब्जा सीड्स

आपको करना ये है कि 4 चम्मच सब्जा के बीचों को थोड़ा पानी मिलाकर भिगो देना है। इसके बाद दही में इसे मिलाएं और फिर इसे खाएं। ऐसा करना इसमें फाइबर और रफेज की मात्रा को बढ़ाता है और ये धमनियों को साफ करने में मददगार है। इन बीजों में अल्फा-लिनोलेनिक एसिड (एएलए) की मात्रा अधिक होने के कारण ये शरीर में फैट मेटाबोलिज्म को उत्तेजित करते हैं। रोजाना खाली पेट सब्जा सीड्स को दही में मिलाकर खाएं।

हाई कोलेस्ट्रॉल में दही सब्जा सीड के फायदे: हाई कोलेस्ट्रॉल में दही सब्जा सीड खाने के कई फायदे हैं। सब्जा के बीजों में असाधारण रूप से उच्च मात्रा में फाइबर होता है जो इसे पेट की समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है। यह आपको लंबे समय तक तृप्त

रखता है और गुड कोलेस्ट्रॉल में सुधार करता है। इसके अलावा दही की खास बात ये है कि इसका विटामिन सी एक स्क्रबर की तरह है जो कि धमनियों में जमा ट्राइग्लिसराइड के लेवल को कम करने में मददगार है। तो इन तमाम कारणों से आपको हाई कोलेस्ट्रॉल में इन दो चीजों का सेवन करना चाहिए। इसके अन्य फायदे की बात करें तो ये लिवर के काम काज को तेज करता है और फिर वेट लॉस में मदद करता है।